'स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता'

आईसीएआर–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में *'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024'* मिशन का शुभारंभ

इस वर्ष भी स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत ***'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024'*** प्रारम्भ किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निर्देशानुसार केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान में यह अभियान 14 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डा. राजकुमार ने बताया कि इस दौरान संस्थान के अन्दर व बाहर तथा कई गांवो में सफाई अभियान चलाया जाएगा। ऑनलाइन ***'स्वच्छता प्रतिज्ञा'*** कार्यक्रम का प्रारम्भ महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान सभागार में किया गया जिसमें के. मृ. ल. अनु. सं., करनाल के साथ साथ आईसीएआर के सभी संस्थानों में एक साथ आयोजित किया गया और जिसमें सभी कर्मचारियों ने ***'स्वच्छता प्रतिज्ञा'*** ली। संस्थान के निदेशक डा. आर. के. यादव ने अपने संबोधन के साथ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को अपनाना प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है क्योंकि अधिकतर बीमारियाँ गंदगी से ही पनपती हैं यदि हम अपने आस–पास का क्षेत्र साफ रखें तो ये बीमारियाँ नहीं होंगी। पर्यावरण के लिए हम सभी को ही जागरूक होने की आवश्यकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए हमको साफ–सफाई का भी बहुत ध्यान रखना चाहिए। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सजग रहना बहुत जरूरी है। अतः गंदगी व बीमारी से बचने का एकमात्र कारगर उपाय अपने आस–पास सफाई रखना है। उन्होने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक अपशिष्ट कचरे से धन अर्जन करना, पॉलीथीन मुक्त स्थिति, रसोई और घर के कचरे का खाद के रूप में प्रयोग, कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक इत्यादि का प्रयोग पूर्ण रूप से बंद करने तथा अन्य उत्पाद जैसे बैनर, फोल्डर इत्यादि कम से कम प्रयोग करने का आह्वान भी किया उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी इस स्वच्छता अभियान को सेवा तथा कर्तव्य समझकर भाग लें तथा कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, प्रशासनिक, तकनिकी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में 'स्वच्छता प्रतिज्ञा'